रोज़गार संबंधी आंकड़े:CMIE

प्रलिमि्स के लयि:

सेंटर फॉर मॉनटिरगि इंडयिन इकोनॉमी

मेन्स के लयि:

सेंटर फॉर मॉनटिरगि इंडयिन इकोनॉमी द्वारा जारी भारत में रोज़गार से संबंधति आंकड़े

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सेंटर फॉर मॉनटिरगि इंडयिन इकोनॉमी (Centre for Monitoring Indian Economy-CMIE) ने COVID-19 लॉकडाउन अवधि (अप्रैल-जुलाई 2020)** के दौरान प्राप्त अथवा खोई गई नौकरयिों से संबंधति डेटा जारी कयिा है।

प्रमुख बदिु

- ### वेतनभोगी नौकरयिाँ:
  - अप्रैल-जुलाई 2020 के दौरान इस श्रेणी में कुल 18.9 मलियिन का नुकसान हुआ।
    - अप्रैल में 17.7 मलियिन वेतनभोगी नौकरयिों का नुकसान हुआ। जून में 3.9 मलियिन नौकरयिाँ प्राप्त करने के बाद, जुलाई में 5 मलियिन नौकरयिाँ फरि से खो गईं।
  - रोज़गार की इस श्रेणी के अंतर्गत रोज़गार की बेहतर शर्तों के साथ-साथ बेहतर वेतन प्राप्त होता है, और ग्रामीण भागों की तुलना में देश के शहरी हस्सिों में इनकी हस्सिेदारी भी अधकि होती हैं।
  - ये आर्थकि झटकों के प्रतअिधकि लचीलापन लयि होती हैं और ये आसानी से नष्ट नहीं होती हैं, हालाँकएिक बार खो जाने के बाद इन्हें पुनः प्राप्त करना अधकि कठनि होता है।
  - भारत में कुल रोज़गार का केवल 21% वेतनभोगी रोज़गार के रूप में मौजूद है।
  - शहरी वेतनभोगी नौकरयिों की हानि से **अर्थव्यवस्था पर वशिेष रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है,** इसके अलावा **मध्यम वर्गीय परविारों को भी वत्तिीय कठनिाइयों का सामना करना पड़ सकता है।**
    - चूँकि लॉकडाउन की घोषणा के बाद कई क्षेत्रों की कंपनयिों ने वेतन में कटौती और बनिा वेतन के अवकाश के साथ-साथ नौकरी में कटौती जैसे कदम उठाए हैं।
- ### अनौपचारकि और गैर-वेतनभोगी नौकरयिाँ (Informal and Non-Salaried Jobs):
  - इस श्रेणी में अप्रैल-जुलाई 2020 के दौरान सुधार हुआ जो जुलाई 2020 में बढ़कर 325.6 मलियिन हो गया, जबकि 2019 में यह 317.6 मलियिन था अर्थात् इस श्रेणी में कुल 2.5% की वृद्धि हुई।
    - इसका प्रमुख कारण लॉकडाउन का चरणबद्ध तरीके से खुलना है।
- ### गैर-वेतनभोगी नौकरयिाँ:
  - रोज़गार की इस श्रेणी में कुल रोज़गार का लगभग 32% हस्सिा शामलि होता था लेकनि अप्रैल 2020 में इसमें 75% की कमी देखने को

मिली।

- अप्रैल 2020 में खोई कुल 121.5 मिलियन नौकरियों में से 91.2 मिलियन नौकरियाँ इसी श्रेणी से है।
- छोटे व्यापारियों, फेरीवालों और दिहाड़ी मज़दूरों को लॉकडाउन से सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ।

कृषि क्षेत्र से जुड़ी नौकरियाँ:

- गैर-कृषि क्षेत्रों में नौकरियों की कमी के कारण लोग कृषि रोज़गार की ओर बढ़ रहे हैं। अप्रैल-जुलाई 2020 की अवधि में कृषि क्षेत्र में 14.9 मिलियन रोज़गार प्राप्त हुए।
- वर्ष 2019 में भारत में 42.39% कार्यबल कृषि क्षेत्र में कार्यरत था।

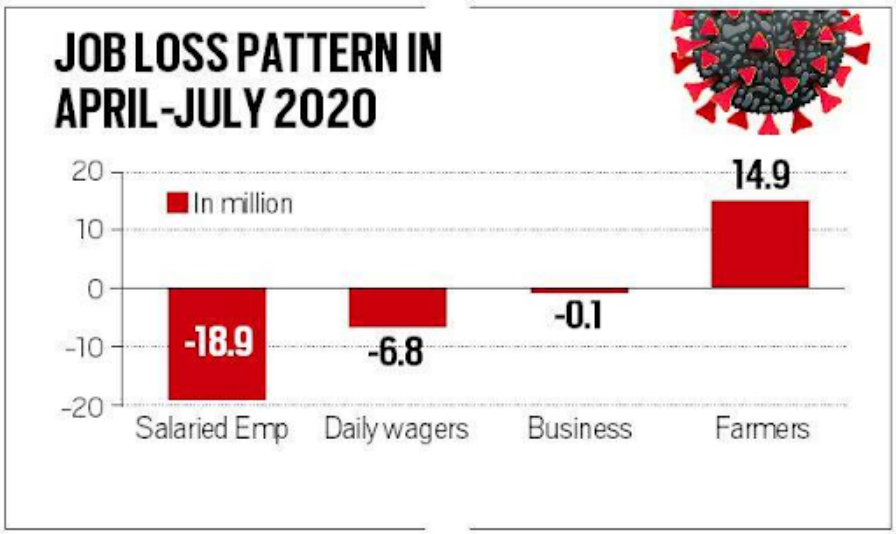

//

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी

- **CMIE एक प्रमुख व्यावसायिक इन्फोर्मेशन कंपनी है।** वर्ष 1976 में इसे मुख्य रूप से स्वतंत्र थिंक टैंक के रूप में स्थापित किया गया था।
- CMIE आर्थिक और व्यावसायिक डेटाबेस उपलब्ध कराता है और नियोजन तथा अनुसंधान के लिये विशेष विश्लेषणात्मक उपकरण विकसित करता है। **यह अर्थव्यवस्था में नित नए रूझानों को समझने के लिये डेटा का विश्लेषण करता है।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jobs-data-cmie